लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे सुपरस्टार
रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत ने स्पष्ट किया कि वह न तो आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे और न ही किसी पार्टी का समर्थन करेंगे। रजनीकांत ने राजनीतिक पार्टी बनाने से पहले अपना संगठन 'रजनी मक्कल मंड्रम' गठित किया है। अभिनेता ने तमिलनाडु की आवाम से कहा है कि वह उस पार्टी को अपना वोट दें जोउनके (लोगों के) हिसाब से राज्य में जल संकट का स्थायी हल निकाल सकती है। रजनीकांत ने कहा, '' मैं किसी का समर्थन नहीं कर रहा हूं और कोई भी राजनीतिक प्रचार के मकसद से मेरी तस्वीर या संगठन का झंडा इस्तेमाल न करें।'' अभिनेता ने एक बयान में कहा, '' रजीनी मक्कल मंड्रम आगामी संसदीय चुनाव में किसी भी पार्टी का समर्थन नहीं कर रही है।'' राजनीकांत ने 31 दिसंबर 2017 को राजनीति में आने का ऐलान किया था। उन्होंने अपने प्रशंसकों से बात करते हुए कहा था कि उनकी गठित होने वाली पार्टी राज्य विधानसभा की सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राज्य में अगला विधानसभा चुनाव 2021 में होना है।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अभिनय का असली मतलब दर्शकों को जोड़े रखना
अनिल कपूर

मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे हर तरह की फिल्में मिलती हैं, जिनमें मुख्यधारा से लेकर संवेशनशील और एक्शन फिल्में शामिल हैं।

अभिनेता अनिल कपूर के लिये दर्शकों को जोड़े रखना ही अभिनय का असली मतलब है और वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि 35 साल के उनके फिल्मी करियर में उन्हें वे फिल्में मिलीं जिनसे वे ये उपलब्धियां पाने में कामयाब रहे। वर्ष 1971 में फिल्म तू पायल मैं गीत में शशि कपूर की बचपन की भूमिका से अपने फिल्मी सफर की शुरुआत करने वाले अनिल कपूर का मानना है कई चीजों का मिश्रण है आज तक उनके लिये काम कर रहा है, इसमें अच्छी पटकथा से लेकर प्रशंसकों और साथियों के मिला सम्मान शामिल है। अनिल कपूर ने कहा कि जब आप कोई योजना या रणनीति बनाते हो, तो कोई नहीं जानता कि आपके रास्ते में क्या आने वाला है। क्योंकि मुझे अलग अलग तरह की फिल्में पेश की जाती रही हैं, लिहाजा मैं उनके चुनाव को लेकर बेहतर स्थिति में हूं और वही करता हूं जो मेरे लिये सही है। कपूर ने बताया, बहुत से अभिनेता हैं जिनको इस तरह की फिल्में नहीं मिलतीं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे हर तरह की फिल्में मिलती हैं, जिनमें मुख्यधारा से लेकर संवेशनशील और एक्शन फिल्में शामिल हैं।

'मेरे प्यारे प्राइम मिनिस्टर' राजनीतिक फिल्म नहीं : मेहरा

निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म 'मेरे प्यारे प्राइम मिनिस्टर' का नाम के कारण राजनीतिकरण किया जा सकता है लेकिन यह पूरी तरह समाजिक मुद्दे पर आधारित है और इसका राजनीति से कोई लेन-देना नहीं है। यह एक ऐसे युवक की कहानी है जो अपनी मां के साथ बलात्कार होने के बाद। प्रधानमंत्री से मिलने अपने दोस्तों के साथ राष्ट्रीय राजधानी आता है। मेहरा ने कहा, 'प्राइम मिनिस्टर' शब्द के कारण इसे राजनीतिक फिल्म समझा जा सकता है लेकिन यह पूरी तरह सामाजिक है। यह बालात्कार के मुद्दे, उससे निपटने के हमारे तरीकों, उसके प्रभाव और एक पीड़ित की कहानी बयां करती हैं।'' 'रंग दे बसंती' और 'भाग मिल्खा भाग' जैसी फिल्मों के निर्देशक ने कहा कि राजनीति की बजाय यह एक सामाजिक संदेश देने वाली फिल्म है। 'मेरे प्यारे प्राइम मिनिस्टर' में अंजलि पाटिल, ओम कनुजिया और अतुल कुलकर्णी जैसे कलाकार हैं। फिल्म 15 मार्च को बड़े पर्दे पर आएगी ।

जम्मू-कश्मीर में पहले जनमत संग्रह क्यों नहीं हुआ
कमल हासन

कश्मीर मुद्दे पर अपने विचार प्रकट करते हुए अभिनेता से नेता बने हासन ने कहा कि वह पाकिस्तान में 'जिहादियों' को गौरवान्वित करने की निंदा करते हैं। इस कार्यक्रम में छात्रों ने हिस्सा लिया।

मक्कल निधि मय्यम के प्रमुख कमल हासन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति बहाली के लिए जनमतसंग्रह एक विकल्प हो सकता था। उन्होंने पुलवामा हमले का बदला लेने के लिए तत्काल सर्जिकल हमले की मांग पर असहमति जताई। रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में कश्मीर मुद्दे पर अपने विचार प्रकट करते हुए अभिनेता से नेता बने हासन ने कहा कि वह पाकिस्तान में 'जिहादियों' को गौरवान्वित करने की निंदा करते हैं। इस कार्यक्रम में छात्रों ने हिस्सा लिया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर भारतीय और पाकिस्तानी नेतृत्व सही तरीके से व्यवहार करे तो मौतों को रोका जा सकता है। हासन ने कहा कि क्यों जनमतसंग्रह नहीं हुआ। ऐसा क्यों नहीं किया गया? उनका डर क्या है? भारत दो भागों में अलग हो गया (भारत और पाकिस्तान)। आप जम्मू-कश्मीर के लोगों से क्यों नहीं पूछते, वे (राजनीतिक नेतृत्व) ऐसा नहीं करेंगे। सीआरपीएफ के जवानों की हालिया शहादत पर उन्होंने कहा, 'अगर कहीं खून बह रहा है तो पहला काम उसे रोकना है...तत्काल सर्जरी (सर्जिकल हमला) कोई विकल्प नहीं है। सर्जरी की व्यवस्था भी होनी चाहिए...ठीक है लेकिन जब खून बहता है तो उसे रोकने के लिए कपड़ा या बर्फ का टुकड़ा रखते हैं ताकि आगे खून न बहे। मैं इस पर दुख व्यक्त करता हूं। उन्होंने याद करते हुए कहा कि सालों पहले उन्होंने एकदम 'सटीक' भविष्यवाणी की थी कि जम्मू कश्मीर में ऐसी घटनाएं होंगी। उन्होंने कहा कि तथाकथित 'आजाद कश्मीर' में ट्रेनों पर जिहादियों को गौरवान्वित करते हुए पोस्टर दिखते हैं जो कि पागलपन ही है। भारत को इस तरह का पागलपन नहीं दोहराना चाहिए। हमें यह दिखाना होगा कि भारत उससे कहीं बेहतर देश है।

टोटल धमाल

के कलाकारों ने दिल्ली में किया फिल्म का प्रमोशन

फिल्म में काम करने के अपने अनुभव के बारे में अजय देवगन ने कहा, 'हम सभी फिल्म में पागल लोगों की भूमिका निभा रहे हैं। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत मजा आया और कई दृश्यों की शूटिंग के दौरान तो मैं खुद हंसी नहीं रोक सका।'

राजधानी दिल्ली के पंचतारा ली-मेरिडियन होटल में सोमवार को आयोजित फिल्म 'टोटल धमाल' के प्रेस कॉन्फ्रेंस में फिल्म से जुड़े कलाकारों ने जमकर धमाल किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में फिल्म के प्रमुख कलाकारों में अजय देवगन, माधुरी दीक्षित, अनिल कपूर, रितेश देशमुख के साथ निर्देशक इंद्र कुमार भी मौजूद थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कलाकारों ने फिल्म में काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया और अपनी-अपनी भूमिकाओं के बारे में बात की। बता दें कि 'टोटल धमाल' एक एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है और 'धमाल' सीरीज की तीसरी किस्त है। फिल्म 22 फरवरी को रिलीज होगी।

फिल्म में काम करने के अपने अनुभव के बारे में अजय देवगन ने कहा, 'हम सभी फिल्म में पागल लोगों की भूमिका निभा रहे हैं। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत मजा आया और कई दृश्यों की शूटिंग के दौरान तो मैं खुद हंसी नहीं रोक सका।' उन्होंने कहा, 'लोगों को हंसाना बहुत कठिन है। आप एक चुटकुले पर दो बार नहीं हंस सकते। लेकिन, हमारी टीम ने दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए फिल्म की स्क्रिप्ट पर कड़ी मेहनत की है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसकी सराहना करेंगे।' वहीं, माधुरी दीक्षित ने बताया कि, 'मैं फिल्म में एक मराठी लड़की की भूमिका निभा रही हूं, जिसने एक गुजराती लड़के (अनिल कपूर) से शादी की और दोनों फिल्म में पैसे के पीछे भाग रहे हैं। मुझे डायरेक्अर इंद्र कुमार के अलावा अपने सभी सह-कलाकारों के साथ फिर से काम करने का बहुत अच्छा अनुभव हासिल हुआ।' आजकल सोशल मीडिया पर बहुत सारी कॉमेडी सामग्री अपलोड की जा रही है। फिल्म की सामग्री की विशिष्टता के बारे में पूछने पर निर्देशक इंद्र कुमार ने कहा, 'हमें फिल्म की पटकथा पर काम करने में एक वर्ष का समय लगा।